रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय,जबलपुर

आन्तरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ के कोर ग्रुप समिति की बैठक दिनांक 18/7/2018 का कार्यवृत्तः–

अंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ की सूचना कमांक/आईक्यूएसी/2018/119 दिनांक 16/7/2018 के तहत आन्तरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ के अन्तर्गत कोर ग्रुप समिति की राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) के द्वारा विश्वविद्यालय का मूल्यांकन किये जाने हेतु आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ के संबंध में समिति की बैठक दिनांक 18/7/2018 को अपरान्ह 3:30 बजे आन्तरिक मूल्यांकन प्रकोष्ठ में आयोजित हुई । इस बैठक में निम्नलिखत सदस्यगण उपस्थित हुए । यथाः–

1	माननीय कुलपति जी	अध्यक्ष
2.	कुलसचिव जी	सदस्य
3	वित्त नियंत्रक	सदस्य
4	अधिष्ठाता छात्र कल्याण	सदस्य
5	प्रो कमलेश मिश्रा	सदस्य
6	प्रो एस एन बागची	सदस्य
7	प्रो राम शंकर	सदस्य
8	प्रो एस एन मिश्रा	सदस्य
9	प्रो ममता राव	सदस्य
10	श्री पंकज दुबे	सदस्य
11	प्रो धीरेन्द्र पाठक	सदस्य
12	प्रो अंजना शर्मा	समन्वयक

इस बैठक में सर्व सम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिये गयेः–

1. सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय में समय अवधि (टाईम लाईन) बैठक की व्यवस्था की जाये जिसमे विश्वविद्यालयीन समस्याओ एवं अन्य गतिविधियों का निवारण/ प्रगति के संदर्भ में जानकारी एवं समस्याओं का निराकरण निर्धारित समय में

किया जा सके । इसमे समस्त अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष प्रकरण के साथ उपस्थित रहें । जिस पर माननीय कुलपति जी के द्वारा 15 दिवस के समय अवधि में बैठक को आयोजित करने को कहा गया ।

2 विश्वविद्यालय में छात्रों के प्रवेश की स्थिति में वर्तमान सत्र में 1800 से अधिक छात्रों ने आवेदन किया है । आगे भी प्रवेश के संबंध में छात्रो को प्रेरित किया जाये ।

3 विश्वविद्यालय में नियमित शिक्षकों के रिक्त पदो को भरने के संदर्भ में चर्चा की गई । एवं जिन विभागों में छात्रों की संख्या अधिक है उन विभागो में प्राथमिकता से प्रकिया पूर्ण की जावेगी । यह कार्य प्रकियारत है।

4 श्री पंकज दुबे जी (अधिवक्ता) ने मा. कुलपति जी एवं समस्त सदस्यों को सूचित किया कि आईक्यूएसी द्वारा विश्वविद्यालय की समस्त गतिविधियों में आंतरिक गुणवत्ता को बनाये रखने हेतु जो सुझाव दिये जाते हैं उन प्रस्तावों को कार्यपरिषद से स्वीकृत प्राप्त कर कियान्वित किया जाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए । अतः निर्णय लिया गया कि आईक्यूएसी के समस्त प्रस्तावों को कार्यपरिषद् से अनुमोदित कराया जाये ।

5 आईक्यूएसी की बैठक में कुलसचिव एवं वित्त नियंत्रक की उपस्थिति आवश्यक है। अतः सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि किन्ही कारणो से कुलसचिव एवं वित्त नियंत्रक उपस्थित नहीं होते तो उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि की उपस्थिति आवश्यक है ।

6 सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी विभागाध्यक्षों को पीआई के रूप में कम से कम रूपये 5000/– की राशि की स्वीकृति प्रदान की जाये ।

7. रिसर्च प्रोजेक्ट के संबंध में निर्णय लिया गया कि सभी शिक्षक ज्यादा से ज्यादा प्रोजेक्ट लाने का प्रयास करें । शिक्षकों ने बताया कि प्रोजेक्ट के समायोजन में अनेक परेशानियॉ आती है जिससे समायोजन प्रमाण–पत्र समय पर भेजा जाना संभव नहीं होता है। अग्रिम के समायोजन के पश्चात भी वित्त नियंत्रक द्वारा अनेक बार नोटिस भेजा जाता है जो अनुचित है । अतः निर्णय लिया गया कि सभी अग्रिम का समायोजन प्रमाण–पत्र वित्त नियंत्रक द्वारा प्रदान किया जाये इस हेतु वित्त नियंत्रक को अधिकृत किया गया ।

8. समस्त विभागों के लिए दैनिक आवश्यकताओं के हिसाब से वस्तुओं की सूची तैयार कर उनकी दर स्वीकृत किये जायें जिससे कि सामग्री क्रय सुचारू रूप से हो । जिसके लिये प्रो. जे. एम. केलर को समन्वयक नियुक्त किया गया ।

9 विश्वविद्यालय के बजट में आईक्यूएसी के लिये 5,00,000/–(पॉच लाख) रूपये आवंटित हैं किंतु आईक्यूएसी में मूलभूत आवश्यक/सुविधाएँ जैसे प्रिंटर/कार्टेज/पेन ड्राईव/प्रिंटिंग पेपर एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध नही होती है । अति आवश्यक सामग्री प्रशासन को सूचित करने के बाद भी प्राप्त नहीं हो पाती है । अतः भंडार विभाग को निर्देशित किया गया कि समस्त सुविधाएं आवश्यक रूप से उपलब्ध कराई जाये । निर्देशिक/समन्वयक के द्वारा कुलसचिव को पत्र इस संदर्भ में लिखा जाये ।

10 अतिथि व्याख्याताओं के संबंध में जिन विभागों द्वारा जानकारी प्रदान नहीं की गई है अविलंब जानकारी प्रदान की जाये । स्थापना विभाग को आईक्यूएसी के समन्वयक द्वारा पत्र लिखा जाये एवं स्थापना विभाग द्वारा उक्त जानकारी की सूचना शीघ्र आईक्यूएसी को भेजी जाये ।

11 विश्वविद्यालयीन स्ववित्तीय पदों की स्वीकृती हेतु मध्यप्रदेश शासन को जानकारी प्रेषित की जाये । इस संदर्भ में विश्वविद्यालय को आईक्यूएआरए की ओर से पत्र भेजा जाये ।

12 विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थानो के मध्य एमओयू किया जाना आवश्यक है । एमओयू के संदर्भ में नियम बनाये जाने हेतु माननीय कुलपति जी द्वारा निम्नानुसार समिति का गठन किया गया ।

1. प्रो राकेश बाजपेयी अध्यक्ष
2. प्रो ममता राव सदस्य
3. प्रो एस एन मिश्रा सदस्य

इस हेतु निर्देशक/समन्यक को पत्र व्यवहार करने हेतु अधिकृत किया गया है एवं समिति 15 दिवस में प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी ।

13 पूर्व नैक कमेटी द्वारा केन्द्रीय ग्रंथालय के उन्नयन के संदर्भ में टिप्पणी की गई थी जिस हेतु प्रो. एस. एन. मिश्रा को ग्रंथालय के उन्नयन के संबंध में अधिकृत किया गया । उनकी सुबिधा के लिए दो अतिथि विद्वानों के नाम भी नामित किये जाये ।

14 विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं आवश्यक क्षेत्रों में संचालित गतिविधियों एवं सूचनाओं को आवश्यक रूप से आईक्यूएसी को सूचित की जाये जिससे विश्वविद्यालय से संबंधित समस्त जानकारी आईक्यूएसी को उपलब्ध रहे ।

15 विश्वविद्यालय को कन्सलटेंशी के संदर्भ में कार्य समिति को निर्देशित किया जाय कि वे नियम बनाकर 15 दिवस में प्रस्ताव प्रस्तुत करें ।

16 विश्वविद्यालय में संचालित विशिष्ठ कार्य प्रणाली को समस्त छात्र/छात्राओं/अभिभावकों/माननीय कुलपति जी एवं प्रशासनिक अधिकारियों से सीधे मिल सकते हैं एवं बात कर सकते हैं । इस हेतु सभी के मोबाईल नम्बर बेवसाईट पर उपलब्ध कराये जाये ।

बायो डिजाईन सेंटर में पोलीथिन प्रदूषण को कम करने की दिशा में कार्य किया गया है एवं वैकल्पिक पोलीथिन बनाने के संदर्भ में कार्य किया गया ।

17 प्रो. कमलेश मिश्रा जी द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व में विभिन्न उन्मुखीकरण कार्यक्रम में आये प्रतिभागियों एवं श्रोत शिक्षकों के साथ एक दिवसीय कार्यक्रम सेंटर जेल जबलपुर में आयोजित किया गया । उक्त अवसर पर जेल में बन्दी व्यक्तियों के साथ सामाजिक समरसता एवं भई–चारे जैसे विषयों पर चर्चा हुई ।

18 एल्यूमनाई एसोशिएशन के संदर्भ में चर्चा के दौरान श्री पंकज दुबे ने स्वयं इस कार्य में सहयोग देने की सहमति दी एवं निर्णय लिया गया कि श्री पंकज दुबे जी को एल्यूमनाई एसोशिएसन से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराये जाये । श्री पंकज दुबे द्वारा महिलाओं से संबंधित कार्य हेतु पुलिस विभाग के सामंजस्य से कार्यक्रम आरंभ करने का प्रस्ताव रखा है जिसके लिए वे अपना सहयोग देगे ।

19 एक वाटर कूलर विश्वविद्यालय को श्री पंकज दुबे ने अपने पूज्य पिता की स्मृति में दान दिये जाने की पेशकश की है जिसे माननीय कुलपति जी द्वारा सहर्ष स्वीकार किया गया ।

धन्यवाद प्रस्ताव प्रो. एस. एन. मिश्रा जी द्वारा दिया गया तत् पश्चात् समिति की बैठक की कार्यवाही पूर्ण की गई ।

26/7/18

समन्वयक

आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ